

ASHA ARCHIVES

2985



ॐ श्रीगणेशाय नमः
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

नां दवीयागयूकासुखकनयमाध्यायेसर्वहृषी ॥ ध्यानदुष्टीया
 मृजानंजदोशं यो ब्रह्मनायकमहाविजोश्वं यो ब्रह्मनायक
 येनमहा॥ॐ देवलि॥ मूडा ॥ॐ विष्णुवा ॥ॐ नायक
 जासमाय ॥ ॥ गनोदकिमनायकमृजा ॥ॐ ज ॥ यद्वाने
 ययोयुजाविजय तासनायकमृजा ॥ गनो ध्यान ॥ॐ देववा ॥
 म्यादिमृद्वमासनरुनेटगष्ट्यनसं॥ॐ सधु द्वाकुआसधु
 सनश्चिनेनयनविलसं मृधुमालीनिर्गमी ॥ दलिमयवकद

लुनम॥ॐ निसयदं कर्क कंद करुलं खद्राज यागमृधुगुमिगज
 नेजकागर्जनीश्वर्यने॥ॐ ध्यानदुष्टीया मृजा ॥ॐ देवलि ॥ॐ
 श ॥ निम्भनाथयनमहाविजोश्वं यो ब्रह्मनायक ॥ॐ निरुध्वय ॥ॐ न
 म॥ॐ देवलि ॥ मूडा ॥ॐ ॥ॐ विदकिमनाय
 मृजाममाय ॥ ॥ गन॥ॐ यद्वि ॥ॐ नायकमृजा ॥ॐ ज
 यद्वसिनायकमृजा ॥ॐ ज ॥ यद्वयनासना यथायुजा ॥ॐ ज
 द्वासनायकमृजा ॥ॐ ज ॥ मिहसनायकमृजा ॥ गनो ध्यान ॥

यद्यप्युक्तं त्वत्कुरु विमल गमनं यामवर्तुष्यया कुरु कुरु
आदमः कुरु मयैव नृप स्वप्न वयाम् कुरु यथा वदो गीर्वाण
एव यदवतकनं वाम स्वप्नाम् मूलं मूला कुरु नृप मयैव कुरु
कथनं नृप याम् कुरु कथालं ॥ वदो वदो यरुय प्रमद
समकिरल वामका नृप यदी शिर्षका म्या कुरु गीव नृप
वदक वारी समका कुरु गी ॥ वदय द्या रिजानि विरुव
नमिर्गद किं लक्ष्मी कुरु गी वदय दी यत्क वम्या कुरु यदय

वमश्चायनं गी कुरु गी ॥ ध्यानं यथा यथा ॥ विदो गी कुरु
यथा कुरु ता यथा यथा ॥ विदो गी कुरु कुरु ॥
गी कुरु यथा यथा ॥ ॐ नमो ॥ म ॥ ॐ
नियमि मा मा यथा यथा ॥ ॥ गदाः
उक्तं वामा यथा ॥ विदो गी कुरु महा गी वासना य
नमः ॥ गना ध्यानं ॥ विदो वदको वृ वृ कुरु विमल मयैव नी
कुरु काय कुरु गी वा वद ध्यानं वा वद मुरु कुरु विधु गी म ॥

यथायुजः॥ यत्रमनिर्वाण॥ ॥ निर्वर्ण्योऽयं कर्तव्यः
 कर्तव्योऽयं महा निर्वर्ण्योऽयं कर्तव्यः
 किं सुहिमायसिद्धान् सर्वधि कात्राहवर्ण्योऽयं
 युक्तोऽयं॥ सर्वधि कात्र॥ ॥ निर्वर्ण्योऽयं कर्तव्यः
 वि
 ७॥
 नमः
 लां कर्ण्योऽयं कर्तव्यः
 ॥ अथायुजः॥ निर्वर्ण्योऽयं कर्तव्यः
 लां कर्ण्योऽयं कर्तव्यः

मीकलगाहारा ॥ आह ॥ विजयवदमचटयु यायुरु
 रुधयमारा ॥ यायुरु रुध ॥ विजयवदमचटयु यनम
 सायनान्मसारा यायुज ॥ विजयवदमचटयु निष्ठा
 समस्तसमाय ॥ विजयवदमचटयु जंजडे
 हंसदययायनिमते ललयास ॥ विजयवदमचटयु आनादि ८॥
 विजयवदमचटयु यायुज ॥ विजयवदमचटयु यायुज ॥ ध्यान ॥
 विजयवदमचटयु रागजंनदार्दकगलामन ॥ एकमूर्तिता

चनयवाकमुद्धकात्रयामया। उन्मंगमसामरालकृष्णवाङ्म
लातनयया। मृथुः३३ यंसमानाश्च वनयारुयसंखभा। द्व
या४कललगन्दसंष्टुथगूलाङ्गकिस्वयव। नानाकृतवसा
रुमिहात्रकयूनमलीना। वन्द्यान्नाससस्यल्लसिनिगा
यनमस्तनी॥ ध्यानवृथयायूज॥ शुभाङ्गुलि। विजजअद्या
नैकाथधावकीधावधावंगवदुःखं सर्वसर्वेदुःखं सुखं
कोविदवृथका४थीसंयुक्तकलमययायूज॥ विजजउईसम

अमृतीममहारुववायमरालकृष्णकिस्वरिनाययायूज॥
द्वैवलि॥ अधाववद्ववनीगी॥ विजजईलीमनाययायूज॥
विजजयंगल्यवृथाययायूज॥ विजजवैजयययायूज॥ विजज
लैजधावाययायूज॥ विजजवैवामयवाययायूज॥ ॥ द्व
ययायिनयूजा॥ विजजईद्वययायनमशाविजजईमित्रमव
ला॥ विजजईनिवायवीमट॥ विजजईकववायई॥ विजजईनि
अययायवीमट॥ विजजई४मयययूट॥ विजजनमययायू

[illegible][illegible]

नकुं राये या पूज ॥ ॐ दं वलि ॥ यानि मन्त्र ॥ ॐ निवा ॐ
लीय च चन विधिसमो य ॥ ॥ नग ४ को सानी पूज न
॥ विज को द द या य या पूज ॥ विज को नि न सु द रा ॥ विज को नि
वा य वा य ॥ विज को क व वा य दू ॥ विज को न य वा य वा
य दू या य ॥ विज को म य य रु ट या य ॥ ॐ नि न्या स ॥ विज
आ को ना वि ॥ विज म य वा स नी य या पूज ॥ ध्यान ॥ विज व
धू क य य स का स ग ठि को ठि स म य रा ॥ ह य वि न नि रा

म ३
दवी ॐ म न्य रु सि गान ना । वाल नू या म हा द वी को मा नी शु
स नू यि णी । शु श्र व उ रु जा का इ यू धू लि ग कि मू र्क । य दू
ना गू लि मी लि मु का लं का ल रु वि ना । नि शि वा उ स मा नू र वि
या नू ग म नि का वि णी । सी रा य स य दाल श्री मा य ४ यू य ग ४ वि
यं स र्व का म य नी दू वी स र्व या वि म रु य नी । आ ग रु रु कि
गा व रु रु ला य रु रु का वि णी । धा वा द वी स दा नी मि को मा
नि स र्व म म ला ॥ ध्यान यू य वा य ॥ य या ऊ लि ॥ विज को यी ॥

[illegible]

४ पायूजा विजय वज्र कृतिनी कुंजला का कर्षणी की कामा
 मृदावेनी की मृदा का रुकावट लावि सी सध्या पायूज
 । विजय नमो रुगवति कुंजला का यि कुंजला कुंजला नमो
 मृदावेनी की किलि २ । विजय पायूज ॥ बलि । विजय का दया
 दिन पूजन ॥ बकाश ॥ जयादि ॥ ब्रह्मवर्मादि । जय
 नवलि ॥ ॥ दया दक्ष ॥ ब्रह्म क मृदा का वन नदि ॥ ॥
 दयाया वामराग ॥ गलपनिर्गम मृदा का न । दयाया

लक्ष्मीयदले लादवीष्टातेधनकृत्तया लालयादूकां वलं
जजसो सिंहु लक्ष्मीयक नादवी मरुता ॥ कृत्तया लालयादूकां वलं
कं २ वा हा ॥ जजसो सिंहु लक्ष्मीयक नादवी मरुता ॥ कृत्तया लालयादूकां वलं
ययादे कीवलिगु कं २ वा हा ॥ जजसो सिंहु लक्ष्मीयक नादवी मरुता ॥ कृत्तया लालयादूकां वलं
वा हा ॥ कृत्तया लालयादूकां वलं ॥ नाथयवलिगु कं २ वा हा ॥ जजसो सिंहु लक्ष्मीयक नादवी मरुता ॥ कृत्तया लालयादूकां वलं
ठका सिंहु लक्ष्मीयक नादवी मरुता ॥ कृत्तया लालयादूकां वलं ॥ नाथयवलिगु कं २ वा हा ॥ जजसो सिंहु लक्ष्मीयक नादवी मरुता ॥ कृत्तया लालयादूकां वलं
जजसो सिंहु लक्ष्मीयक नादवी मरुता ॥ कृत्तया लालयादूकां वलं ॥ नाथयवलिगु कं २ वा हा ॥ जजसो सिंहु लक्ष्मीयक नादवी मरुता ॥ कृत्तया लालयादूकां वलं
जा ए कृत्तया लालयादूकां वलं ॥ नाथयवलिगु कं २ वा हा ॥ जजसो सिंहु लक्ष्मीयक नादवी मरुता ॥ कृत्तया लालयादूकां वलं

ॐ नमो ग्रीष्मिके ॥ श्री ग्रीष्मिका वाच ॥ प्रभादा द्वायमाया न सिद्ध समय मनु
नो ॥





॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ३ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written on aged, yellowed paper and consists of approximately 10 lines of dense, flowing script. The ink is dark, and the paper shows signs of wear and discoloration.

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written on aged, yellowed paper and consists of approximately 10 lines of dense, flowing script. The ink is dark, and the paper shows signs of wear and discoloration.





ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

लेखा सामग्री २० दंडम को गीत मय ॥ १५

